संत थॉमस स्कूल धुर्वा, राँची

सत्र 2020 - 21

कक्षा - 7 **(विषय - हिंदी)** **पुस्तक - मंथन**

पाठ - 15 इब्राहिम गार्दी

शब्दार्थ :- छावनी- सेना का पड़ाव, दूत- संदेश पहुंचाने वाला, अनुरोध- प्रार्थना, प्रतिवाद- विरोध, क्षीण- कमजोर, निजाम- सूबेदार, रवैया- व्यवहार, उसूल- सिद्धांत, तौबा- प्रायश्चित, फरिश्ता- देवदूत फतेह- जीत, ताज्जुब- आश्चर्य, कायल- विश्वस्त, रूह- आत्मा, कुंठित- निराश, अरमान- इच्छा, बुतपरस्त- मूर्तिपूजक, इर्द-गिर्द- आसपास, बदजुबान- बुरा बोलने वाला, कुपित- नाराज, नियाज- भेंट या चढ़ावा, सूरमा- योद्धा, वहशी- हिंसा करने वाला।

अभ्यास:-

प्रश्न1 - प्रश्नों के उत्तर दीजिए (मौखिक) :-

क) पानीपत के युद्ध में बंदी बनाए जाने के बाद घायल इब्राहिम को शुजाउद्दौला के खेमे में, जो अफगान शाह अब्दाली की छावनी के भीतर था वहाँ रखा गया था।

ख) इब्राहिम ने निजाम की नौकरी छोड़ने का यह कारण बताया कि उन्होंने निजाम के रवैया को अपने उसूल के खिलाफ पाया।

ग) अपने भूल की प्रायश्चित करने पर अब्दाली इब्राहिम को छोड़ने के लिए तैयार था।

घ) सदाशिवराव भाऊ और विश्वासराव की मृत्यु का समाचार सुनकर इब्राहिम आश्चर्यचकित होकर गिर पड़ा।

प्रश्न 2- लघूत्तरीय प्रश्न (लिखित):-

क) इब्राहिम गार्दी शिजाउद्दौला के खेमे में था।

ख) इब्राहिम मराठों के 10 पलटनों का सेनापति था।

ग) निजाम के रवैये को इब्राहिम ने अपने उसूल के खिलाफ पाया।

घ) अब्दाली द्वारा सदाशिव भाऊ का सिर काट लिया गया था।

ङ) अहमद शाह अब्दाली, इब्राहिम के तड़पने पर प्रसन्न था।

3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:-

1. इब्राहिम पानीपत की तीसरी लड़ाई में घायल हो गया था और घायल अवस्था में उसे शुजाउद्दौला के खेमे में रखा गया था। इब्राहिम का सबसे बड़ा दुश्मन अहमदशाह अब्दाली के द्वारा इब्राहिम को घायल अवस्था में ही देने के आदेश का विरोध कर रहा था।

2. "खुदा अरबी, फ़ारसी या पश्तो जबान को ही समझता है? क्या वह मराठी या फ्रांसीसी नहीं जानता? क्या खुदा राम नहीं है? और क्या राम और रहीम अलग-अलग हैं?"इब्राहिम के इस कथन से पता चलता है कि वह धर्म और इंसानों में भेद नहीं करता था।
3. सदाशिव भाऊ के साथ अब्दाली ने बहुत ही बुरा व्यवहार किया था। अब्दाली ने सदाशिव भाऊ का सिर काट लिया था।
4. तौबा करने के सवाल पर इब्राहिम अपनी घाव की परवाह न करते हुए बोला,"तौबा और शर्म! आप क्या कहते हैं, अफगान शाह? आपके देश में अपने मुल्क से मोहब्बत करने और उस पर जान देने वालों को क्या तौबा करनी पड़ती है? और क्या उसके लिए सिर नीचा करना पड़ता है?"
5. अंग कटने के बाद दूसरे वाक्य में इब्राहिम ने कहा कि "हम हिंदू-मुसलमानों की मिट्टी से ऐसे सूरमा पैदा होंगे जो वहशियों और जालिमों का नामोनिशान मिटा देंगे।"

किसने किससे कहा:-

क. शिजाउद्दौला ने दूत से।
ख. अहमद शाह अब्दाली ने इब्राहिम से।
ग. इब्राहिम ने अहमद शाह अब्दाली से।
घ. अहमद शाह अब्दाली ने इब्राहिम से।